Kaala Bhairavaashtakam in Sanskrit

Kaala Bhairavaashtakam – Sanskrit Lyrics (Text)

Kaala Bhairavaashtakam – Sanskrit Script

दॆवराज सॆव्यमान पावनाङ्घ्रि पङ्कजं
व्यालयज्ञ सूत्रमिन्दु शॆखरं कृपाकरम▯।
नारदादि यॊगिबृन्द वन्दितं दिगम्बरं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजॆ ॥ 1 ॥

भानुकॊटि भास्वरं भवब्धितारकं परं
नीलकण्ठ मीप्सितार्थ दायकं त्रिलॊचनम▯।
कालकाल मम्बुजाक्ष मस्तशून्य मक्षरं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजॆ ॥ 2 ॥

शूलटङ्क पाशदण्ड पाणिमादि कारणं
श्यामकाय मादिदॆव मक्षरं निरामयम▯।
भीमविक्रमं प्रभुं विचित्र ताण्डव प्रियं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजॆ ॥ 3 ॥

भुक्ति मुक्ति दायकं प्रशस्तचारु विग्रहं
भक्तवत्सलं स्थितं समस्तलॊक विग्रहम▯।
निक्वणन्मनॊज्ञ हॆम किङ्किणी लसत्कटिं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजॆ ॥ 4 ॥

धर्मसॆतु पालकं त्वधर्ममार्ग नाशकं
कर्मपाश मॊचकं सुशर्म दायकं विभुम▯।
स्वर्णवर्ण कॆशपाश शॊभिताङ्ग निर्मलं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजॆ ॥ 5 ॥

http://thegodshiva.blogspot.com/

रत्न पादुका प्रभाभिराम पादयुग्मकं
नित्य मद्वितीय मिष्ट दैवतं निरञ्जनम् ।
मृत्युदर्प नाशनं करालदंष्ट्र भूषणं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजॆ ॥ 6 ॥

अट्टहास भिन्न पद्मजाण्डकॊश सन्ततिं
दृष्टिपात नष्टपाप जालमुग्र शासनम् ।
अष्टसिद्धि दायकं कपालमालिका धरं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजॆ ॥ 7 ॥

भूतसङ्घ नायकं विशालकीर्ति दायकं
काशिवासि लॊक पुण्यपाप शॊधकं विभुम् ।
नीतिमार्ग कॊविदं पुरातनं जगत्पतिं
काशिकापुराधिनाथ कालभैरवं भजॆ ॥ 8 ॥

कालभैरवाष्टकं पठन्ति यॆ मनॊहरं
ज्ञानमुक्ति साधकं विचित्र पुण्य वर्धनम् ।
शॊकमॊह लॊभदैन्य कॊपताप नाशनं
तॆ प्रयान्ति कालभैरवाङ्घ्रि सन्निधिं ध्रुवम् ॥

http://thegodshiva.blogspot.com/